

---

# Brahmaprokta Kali Stuti

---

## ब्रह्मप्रोक्ता कालीस्तुतिः

---

### Document Information

---

Text title : Brahmaprokta 2 Kali Stuti

File name : kAlIstutiHbrahmaproktA2.itx

Category : devii, stuti, dashamahavidya

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : Kalikapurana Adhyaya 5 shloka 54-59

Latest update : January 15, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 15, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

Brahmaprokta Kali Stuti

—  
—  
ब्रह्मप्रोक्ता कालीस्तुतिः  
—  
—

ब्रह्मोवाच -

नमो नमस्ते जगतः प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपे स्थितिसर्गरूपे ।

चराचराणां भवती च शक्तिः सनातनी सर्वविमोहनीति ॥ ५४ ॥

या श्रीः सदा केशवमूर्तिमाया विश्वम्भरा या सकलं विभर्ति ।

हीर्योगिनी या महिता मनोज्ञा सा त्वं नमस्ते परमात्मसारे ॥ ५५ ॥

यामादिपूर्वे हृदि योगिनो यां विभावयन्ति प्रमितिप्रतीताम् ।

प्रकाशशुद्धादियुतां विराणां सा त्वं हि विद्या विविधावलम्बा ॥ ५६ ॥

कूटस्थमव्यक्तमचिन्त्यरूपं त्वं बिभ्रती कालमयं जगन्ति ।

विकारबीजं प्रकरोषि नित्यं प्रत्नानि न्यूलान्यथ मध्यमानि ॥ ५७ ॥

सत्त्वं रजोऽथो तम इत्यमीषां विकारहीना समवस्थितिर्या ।

सा त्वं गुणानां जगदेकहेतुर्बाह्यान्तरालं भवतीव याति ॥ ५८ ॥

अशेषजगतां बीजे ज्ञेयज्ञानस्वरूपिणि ।

जगद्धिताय जगतां विष्णुमाये नमोऽस्तुते ॥ ५९ ॥

इति कालिकापुराणे पञ्चमाध्यायान्तर्गता ब्रह्मप्रोक्ता कालीस्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran

---

—  
—  
*Brahmaprokta Kali Stuti*

pdf was typeset on January 15, 2022

—  
—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

